भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.4881**

वाणिज्य विभाग

दिनांक 01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अमेरिकी प्रशुल्क का प्रभाव

4881. श्री हरीभाई पटेल:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने अमेरिकी प्रशुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्या समझौते और सहयोग किए हैं;

(ख) भारत के विशेषकर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के संदर्भ में तकनीकी और औद्योगिक विकास के लिए इन साझेदारियों के संभावित लाभ क्या हैं;

(ग) भारत के घरेलू नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर इन संबंधों का अपेक्षित प्रभाव क्या होगा; और

(घ) एक लचीले आर्थिक ढांचे को बढ़ावा देते हुए बाहरी प्रौद्योगिकी स्रोतों पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (घ): भारत अमेरिका सहित विभिन्न देशों के साथ सहयोग के माध्यम से एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए उचित कदम उठाता है। 5 वीं भारत-अमेरिका वाणिज्यिक वार्ता के दौरान, सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला और अभिनव साझेदारी स्थापित करने के लिए भारत और अमेरिका के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं को आगे बढ़ाने और दोनों देश की अनुपूरक शक्तियों का लाभ उठाने के लिए द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाना है।

अन्य बातों के साथ-साथ, इन पहलों का उद्देश्य निवेश, संयुक्त उद्यम और प्रौद्योगिकी साझेदारी के क्षेत्र में अमेरिकी और भारतीय कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाने के माध्यम से निकट अवधि के वाणिज्यिक अवसरों की पहचान के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखला संबंधी व्यवधानों के प्रभावों को कम करना और सेमीकंडक्टर नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक कार्यनीतिक विकास को सुविधा प्रदान करना, प्रतिभा और कार्यबल तथा अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, सेमीकंडक्टर

पारिस्थितिकी तंत्र में सीमा पार व्यापार और निवेश को बढ़ाने के लिए सक्षम वातावरण तैयार करना और अमेरिकी और भारतीय सेमीकंडक्टर उद्योगों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) सहयोग को सुविधा प्रदान करना है।

इसके अलावा, इन पहलों से वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर घरेलू नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र, विनिर्माण क्षमताओं और निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने, अन्वेषकों शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए प्राथमिकता-प्रेरित, समाधान-केंद्रित अनुसंधान के समाधान के लिए निजी क्षेत्र के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार के संवर्धन की संभावना है।

एक मजबूत सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और एक लचीले आर्थिक ढांचे को बढ़ावा देते हुए बाहरी प्रौद्योगिकी स्रोतों पर भारत की निर्भरता को कम करने के लिए, अन्य बातों के साथ-साथ, भारत सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है जो भारत में सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब, कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स (एसआईपीएच)/सेंसर (माइक्रो इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम सहित) फैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी)/आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट (ओएसएटी) सुविधाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह चिप डिजाइन को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन और परिनियोजन लिंक्ड प्रोत्साहन भी प्रदान करता है । इस कार्यक्रम ने पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

इसके अलावा, स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में भारत की वैश्विक स्थिति और उद्योग के साथ बहु-संस्थागत, बहु-विषयगत और बहु-अन्वेषक सहयोग को उत्प्रेरित करने के लिए की गई है। इसके अलावा, देश में स्वदेशी अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान (पीएमईसीआरजी) योजना और एएनआरएफ का एमएएएच कार्यक्रम शुरू किया गया है। ये योजनाएं वैश्विक मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को उचित संसाधन और वित्तीय सहायता प्रदान करना सुनिश्चित करती हैं।

*****